

he Gazette of India

असाधारगा EXTRAORDINARY

भाग I-एण्ड 1 PART I-Section 1 प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं0 124

नई दिल्ली, मंगलवार, जून 9, 1981/ज्येष्ठ 19, 1903

No. 124]

NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 9, 1981/JYAISTHA 19, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रहाजासके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना सं० : 47-ई टी सी (पी एन)/81

नई दिल्ला. १ जुन, 1981

नियति व्यापार नियंत्रण

विषय: 1981-82 के दौरान भारतीय बकरों के माम के निर्मात से संबंधित नीति ।

मि० सं 1/28/81-ई 1.- उपर्युक्त विषय पर निर्यात (निय्वण) संशोधन थादेश सं० ई (सी) स्रो, 1977 /एएम(210), दिनांक 9 जुन 1981 की ग्रार ध्यान दिलाया जाता है, जिसकी धर्स के प्रनुसार बकरे के मास क निर्यात पर लगाए गए प्रतिबन्ध को हटा लिया गया है।

 मासिक प्राधार पर जारी किए जाने वाले सीमित उच्चतम सीमा के भीतर मारतीय बकरे के मांस के नियति की अनुमति देने के लिए निश्वय किया है जा स्थानतम प्रति किली ग्राम 16 रुपए जहाज पर निःशुल्क मुल्य को नियति कीमत के अधीत है। उच्चतम सीमा साजा मांस और जीवित पणु धन निर्यातक सब, बस्बई और मध्य है। साथ गजरात राज्य निर्यात निगम लि० ग्रहमदाबाद, के पाम निपटान की लिए रखी गर्ट है। कोटेका नियतन जहाजरानी विल/वाययान द्वारा पृष्ठांकन करके किया बाएगा। यह पुट्ठांकन पथ्य वस्तु की शील्ल सहसे जी प्रवृत्ति का अलान में रखते हुए अधिकतम 73 घंटे को अवधि के लिए वैश्र होगा। उपर्यक्त निर्यातों का देसी मंडियों में माल की उपलब्धता क अनसार निर्धामत किया जाएगा जा निस्तिलिखन पैरा में तिखिन भर्तों के अधीन होता।

 उचर्युक्त बाता का ध्यान में रखकर ानेम्नलिखित प्रविष्टि अप्रैल 1981-मार्च 1982 की नियति नीनि के नीति विधरण की कम सं० 6(ख) क बाद पृष्ठ मं० 11 पर निम्न प्रकार से जोड़ी जाएगी:---

2

3

6(ग) जिसमें हृदय, जिगर, फेफड़े, मस्तिष्क, जीभ, किडनी स्रीर स्रन्य भाग गामिल हैं।

भारतीय बकरेका मास भारताय बकरे के मांस के निर्यात की अनुमात जहाजरानी विश्व/वाय्यान बिल प्रस्तुत करने पर मासिक श्राधार ^{५र} रिलोज का जाने वाल*े।* सामित उच्चतम सीमा के भीतर 16 रुपए प्रति क्षि०ग्रा० जहाज पर नि:शस्क मुल्य के प्रधिकतम नियति को मत के अधीन दी जाएगी जी निस्त-तिखित शर्तो के अधीन है :--

- (1) निर्यात एकदम बिकी के आधार पर होगा और किसी प्रकार के परेपण निर्यात की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- (2) कोटे का नियतन जहाजरानी बिल/वाय्यान बिल पर पृष्ठां-कन करके किया जाएगा जो अधिकतम 72 घंटे की अवधि के लिए वैध होगा।

3

2

- सीमा सक ताजा (3) उच्चतम मास ग्रीर जीवित पश् निर्यात मंघ, बंबई भीर गुजरात राज्य निर्मात निगम लिं , सहमदाबाद के पास सिपटान के लिए रखा जाएगा। कांट्रे का नियमन करने के लिए प्रभिकरणों द्वारा निम्नलिखित मार्गदर्शन का अनु-सरण करना होगाः
 - (क) मियतन ऐजेन्सियों इस बात का मूनिश्चय करने के बाद कि आधित बकरों को मारने मिए स्थानीय मंडी मे खरीद इस बात मुनिश्चय प्रस्ते के बाद की जाती है कि घरेल बाजारों में राज-राज की जरूपतें पूरी हो जाती है। यदि किसी खास दिन को इस जकरत से कम कुल आमद होती है सो निर्यात के लिए किसी प्रकार की खरीव वहीं की जाएगी।
 - (स्व) यदि उपर्युक्त (क) की शर्में पूरी की आनी हैं तो निर्धातक मारने के लिए बकरों की खरीद के लिए बाजार में जब जाएंगे जब घरेल जरूरतों के लिए खरीद कर शी जाती है। इसी श्राधार पर वे करल गृह का उपयोग तब करेंगे जबकि घरेलु उपयोग के लिए बकरों को मारने का काम पूरा हो जाता है।
 - (ग) संध द्वारा एक निर्यातक को इसका नियमन पहले श्राए सो पहले पाए के धाधार पर करना चाहिए लेकिन निर्यात नीति 1981-82 के पैरा 14 की व्यवस्थाएं इस मामले में ला।गूनहीं होगी।
 - (घ) पण्य वस्तु की शीझ सड़मे की प्रवृत्ति को ध्यान में एकते हुए धीर इस बात को भी ध्यान में रहाते हुए कि मासिक उच्चतम सीमा को पूरा किया जाना है, एक नियानक को कार्ट के नियतन की बैध ध्रवधि 72 घंटे ही होगी।

- ऐजेन्सियों (इ) नियत को पूर्व के महीनों में किए गए निर्यातों की सुचना वाणिज्य मंत्रासय को अगले महीने की 7 नारीख़ नक र्तेगे।
- (4) सीमाशुलक प्राधिकारियों हारा निर्वात की भानमति ताजा मांस और जीवित पणु धन निर्धातक संब द्वारा नियत किए गए कोटे के प्राधार पर सीधे ही किया जाएगा। गुजरात राज्य निर्दात निगम लि० के मामसे में निर्यात उनके खाते पर ही किए आएंगे।

कु० रौगः मजुमदार, मुख्य नियंत्रक, आसात-नियास

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE No. 47-ETC(PN)/81 New Delhi, the 9th June, 1981

EXPORT TRADE CONTROL

Sub.: Export of meat of Indian goat during 1981-82-Policy regarding.

- F. No.1/28/81-EI.—Attention is invited to Exports (Control) Amendment Order No. E(C)O, 1977/AM (210) dated the 9th June, 1981, on the above subject, in terms of which ban on export of goat meat has been lifted.
- 2. It has since been decided to allow export of meat of Indian Goat within a limited ceiling released on monthly basis subject to a minimum export price of Rs. 16/- per Kg. f.o.b. The ceiling will be placed at the disposal of the Fresh Meat and Live Stock Exporters' Association, Bombay as well as the Gujarat State Export Corporation Ltd., Ahmedabad. The allocation of quota will be by way of endorsement on Shipping Bills/Airway Bills. The endorsement will be valid for a maximum period of 72 hours in view of the perishable nature of the commodity. The aforesaid export shall be regulated according to the availability of the commodities within the domestic mandis, subject to the conditions indicated in the following paragraph.
- 3. In view of the above, the following entry shall be made on page 11, after S.No. 6(b) of Policy Statement of Export Policy, April, 1981-March, 1982, as under :

2

3

6(c) Meat of Indian Goat-in- Export of meat of Indian cluding heart, liver, lungs, brain, tongue, kidneys and other organs:

Goat will be allowed subject to MEP of Rs. 16/per Kg. f.o.b. within a limited ceiling released on monthly basis on presentation of Shipping Bills/Airway Bills, subject to the following conditions:

(i) Export will be on outright sale basis and no consignment export shall be allowed.

· -----

2

3

2

- (ii) The allocation of quota will be by way of endorsement on Shipping Bills/ Airway Bills valid for a maximum period of 72 hours.
- (iii) The ceiling will be placed at the disposal of Fresh Meat and Live Stock Exporters' Association at Bombay and the Gujarat State Export Corporation Ltd., Ahmedabad.
- The following guidelines will be followed by the agencies regulating the quota.
- (a) The designated agencies should ensure that exporters purchase live goat for slaughter from the local mandis only after the daily requirements in the domestic market are met. If the total arrival on any particular day falls short of this requirement no purchases for export should be made.
- (b) In case the condition at (a) above is met, exporters will enter the market for purchase of goat for slaughter at a time after the domestic requirements have been purchased. Similarly they will use the Slaughter-House only after slaughtering for domestic consumption has been done.

(c) Allocation to individual exporters by the Association should be made on first-come, first-served basis However, provisions of Para 14 of Export Policy 1981-82 will not apply in this case.

3

- (d) In view of the highly perishable nature of the commodity and also since monthly ceilings will have to be met, the validity of quota allocation to individual exporters will be 72 hours only.
- (e) The designated Agencies will inform the Ministry of Commerce by the 7th of the succeeding month the figures of exports made during the preceding month.
- (iv) The export will be allowed by the customs Authorities directly on the basis of quota allocation made by Fresh Meat and Live Stocks Exporters' Association. In the case of the Gujarat State Export Corporation Ltd., exports will be done on their own account.

ROMA MAZUMDAR, Chief Controller of Imports & Exports